



## SHRI M. P. GANESH

Shri M. P. Ganesh is a former India Hockey captain, Olympic medallist and sports administrator, who has also served in Indian Armed Forces. He a fleet-footed winger, is widely recognised for his contribution to sports administration during his two-decades services at the Sports Authority of India and with various national federations. Many initiatives were launched under his leadership, including the concept of Sports Schools and Sports Hostel, which helped Karnataka produce numerous national and international sports luminaries. His contribution to Hockey in various roles over the past fifty years is unmatched.

2. Born on 8th July, 1946 in Madikeri, the heartland of Hockey, Shri Ganesh is among the rare breed of athletes who did not give up on education while pursuing sport. Hailing from a humble background, he never allowed financial difficulties extinguish his dream of representing the country in the national sport. He has a Masters Degree in English Literature, a Diploma in Sports Coaching from the National Institute of Sports and a Ph.D in Physical Education (Hockey).

3. Shri Ganesh, was a member of the Indian Hockey team which won a Bronze medal at the Munich Olympic Games in 1972. He was also a member of the national team for 1971 Barcelona and 1973 Amsterdam World Cup, where India won Bronze and Silver medals respectively. He participated in two consecutive Asian Games in 1970 (Bangkok) and 1974 (Tehran), where India won silver medals on both occasions. At the peak of his career, Shri Ganesh retired from hockey but continued to serve the sport in various capacities. He was a coach of the Indian team which won the gold medal at the 1980 Moscow Olympic Games. From 1985 to 1989, he coached the National team which participated in various events including the 1988 Olympic Games at Seoul, Champions Trophy and the World Cup.

4. After joining the Sports Authority of India in 1986, Shri Ganesh worked in various centres including Manipur, Bengaluru, Patiala and New Delhi as the Executive Director in departments like academics, infrastructure, coaching, teams and operations etc. He has served as a member of many central government panels including the 11th Five-Year plan (2007-2012) on Adolescents Development. He was also a member of the working group on Sports & Physical Education for formulation during the same period. He has also been a member of the Council and Executive Committee for National Sports Development Fund. Apart from being on the panel for prestigious awards like the Rajiv Gandhi Khel Ratna Award, Arjuna Award and Dhronacharya Award, he has served in honorary capacities in various national sports federations. He was also the first chairman of the National Hockey Academy, Sports Authority of India.

5. In 1973, Shri Ganesh was honoured with the Arjuna Award by the Government of India. He is also a recipient of Silver Jubilee Sports Award of Karnataka in the year 1981.





## श्री एम. पी. गणेश

श्री एम. पी. गणेश भारत के पूर्व हॉकी कप्तान, ओलंपिक पदक विजेता और खेल प्रशासक हैं। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बल में भी कार्य किया है। वह एक फ्लीट–फुट्ेड विंगर थे और उन्हें दो दशक के दौरान, भारतीय खेल प्राधिकरण और विभिन्न राष्ट्रीय महासंघों के खेल प्रशासन में योगदान के लिए व्यापक तौर पर जाना जाता हैं। उनके नेतृत्व में कई पहल की गईं, जिनमें स्पोट्र्स स्कूल और स्पोट्र्स हॉस्टल शामिल हैं। इनसे कर्नाटक को कई मशहूर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मिले हैं। हॉकी में पिछले पचास वर्षों के दौरान विभिन्न भूमिकाओं में उनका योगदान अतुलनीय है।

2. दिनांक 8 जुलाई, 1946 को हॉकी के गढ़ मदिकेरी में जन्मे, श्री गणेश उन खास खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने खेल के साथ–साथ शिक्षा भी जारी रखी। एक साधारण पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने के बावजूद, उन्होंने कभी भी, राष्ट्रीय खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने के सपने के बीच वित्तीय कठिनाइयों को नहीं आने दिया। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि, राष्ट्रीय खेल संस्थान से स्पोट्र्स कोचिंग में डिप्लोमा और शारीरिक शिक्षा (हॉकी) में पीएच.डी की है।

3. श्री गणेश, 1972 में म्यूनिख ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे। वह 1971 के बार्सिलोना और 1973 के एम्स्टर्डम विश्व कप में क्रमशः कांस्य और रजत पदक जीतने वाली राष्ट्रीय टीम के सदस्य भी थे। उन्होंने 1970 (बैंकाक) और 1974 (तेहरान) में लगातार दो एशियाई खेलों में भाग लिया और इन दोनों एशियाई खेलों में भारत ने रजत पदक जीते। अपने खेल जीवन के शिखर पर, श्री गणेश ने हॉकी से संन्यास ले लिया, लेकिन विभिन्न पदों पर पर रहकर खेल में योगदान देते रहे। वह 1980 के मास्को ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के कोच थे। 1985 से 1989 तक, वह 1988 के सियोल ओलंपिक खेलों, चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व कप सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली राष्ट्रीय टीम के कोच भी रहे।

4. वर्ष 1986 में भारतीय खेल प्राधिकरण में कार्यभार संभालने के बाद, श्री गणेश ने मणिपुर, बेंगलुरु, पटियाला और नई दिल्ली सहित विभिन्न केंद्रों के अकादमिक, अवसंरचना, कोचिंग, टीम और कार्य–संचालन आदि विभागों में कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया। वह 11 वीं पंचवर्षीय योजना (2007–2012) के अंतर्गत किशोरों के विकास संबंधी पैनल सहित केंद्र सरकार के कई पैनलों के सदस्य रहे हैं। इसी दौरान, वह नियमन के लिए खेल और शारीरिक शिक्षा से संबंधित कार्य समूह के सदस्य थे। वह राष्ट्रीय खेल विकास कोष की परिषद और कार्यकारी समिति के सदस्य भी रहे हैं। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार और द्रोणाचार्य पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार पैनल के सदस्य रहने के अलावा, उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय खेल संघों में मानद पदों पर काम किया है। वह भारतीय खेल प्राधिकरण की भारतीय हॉकी अकादमी के प्रथम अध्यक्ष भी थे।

5. श्री गणेश को 1973 में भारत सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1981 में कर्नाटक का रजत जयंती खेल पुरस्कार भी प्रदान किया गया था।